



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

28 ज्येष्ठ 1941 (श10)

(सं० पटना 706) पटना, मंगलवार, 18 जून 2019

सं० 2/ज0शि0-07-07/2016-सा0प्र0-2091
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

14 फरवरी 2019

श्री अनिमेष कुमार (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 864/11, तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ) सम्प्रति उप सचिव, पर्यटन विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध परिवहन विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 5055 दिनांक 19.08.2016 द्वारा गठित आरोप-पत्र प्रपत्र 'क' (साक्ष्य सहित) विभाग को उपलब्ध कराया गया। श्री कुमार के विरुद्ध निगरानी धावा दल द्वारा दिनांक 16.03.2016 को की गयी छापेमारी में वैध राजस्व वसूली की कुल राशि से अधिक राशि का पाया जाना, मोटरवाहन अपराध के तहत वसूले गये जुर्माना के रूप में वसूली गयी राशि के एवज में वाहन मालिक को वैध मनी रसीद उपलब्ध नहीं कराने, अनाधिकृत रूप से वाह्य व्यक्तियों द्वारा कार्य कराये जाने एवं अनाधिकृत अनुपस्थिति का आरोप प्रतिवेदित किया गया।

2. विभागीय पत्रांक 12758 दिनांक 20.09.2016 द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोपों पर स्पष्टीकरण की मांग की गयी। उक्त के आलोक में श्री कुमार के पत्र दिनांक 07.10.2016 द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया गया। श्री कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक 15312 दिनांक 14.11.2016 द्वारा परिवहन विभाग, बिहार, पटना से मंतव्य की मांग की गयी। परिवहन विभाग के पत्रांक 3226 दिनांक 20.06.2017 द्वारा प्राप्त मंतव्य में श्री कुमार के स्पष्टीकरण को स्वीकारयोग्य नहीं पाया गया।

3. अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, समर्पित स्पष्टीकरण एवं परिवहन विभाग, बिहार, पटना द्वारा प्राप्त मंतव्य के सम्यक् विचारोपरान्त बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के संगत प्रावधानों के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक 16692 दिनांक 29.12.2017 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी, जिसमें विभागीय जाँच आयुक्त, बिहार, पटना को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

4. संचालन पदाधिकारी-सह-विभागीय जाँच आयुक्त (सम्प्रति मुख्य जाँच आयुक्त) के पत्रांक 454 दिनांक 25.05.2018 द्वारा जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया, जिसमें संचालन पदाधिकारी द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित कुल-04 आरोपों में आरोप संख्या-01 एवं 04 को अंशतः प्रमाणित तथा आरोप संख्या-02 एवं 03 को अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया।

5. विभागीय पत्रांक 8115 दिनांक 19.06.2018 द्वारा अंशतः प्रमाणित आरोपों के लिए श्री कुमार से बचाव अभ्यावेदन की मांग की गयी। उक्त के आलोक में श्री कुमार द्वारा अपना बचाव अभ्यावेदन दिनांक 02.07.2018 समर्पित किया गया।

6. श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, जाँच प्रतिवेदन एवं उनके द्वारा समर्पित बचाव बयान की अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा सम्यक् समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि जाँच पदाधिकारी का आरोप संख्या-1 के संबंध में निष्कर्ष है कि श्री कुमार जिला परिवहन पदाधिकारी का जिला में विभागीय प्रतिनिधि होने के नाते यह दायित्व था कि राशि कर्मनाशा चेकपोस्ट पर पड़ी नहीं रहनी चाहिए थी, बल्कि उसे बिना समय गँवाये बिहार सरकार के भुआ कोषागार में ससमय जमा कर देना चाहिए था, किन्तु उन्होंने ऐसा सुनिश्चित नहीं किया। फिर यह वस्तुगत तथ्य है कि कर्मनाशा चेकपोस्ट पर निर्गत रसीदों में वसूली दिखायी गई राशि के काफी अधिक राशि (5.28 लाख रु0 या 5.25 लाख रु0) नगद रूप में मिली। इसलिए यदि आरोपित पदाधिकारी कर्मनाशा चेकपोस्ट का समुचित अनुश्रवण करते, तो सम्भवतः इतनी अधिक राशि वहाँ से नहीं मिलती। इसके अलावा आरोपित पदाधिकारी कथन की सिर्फ उन्हें ही प्राथमिक अभियुक्त बनाया गया है, गलत है। श्री कुमार के अतिरिक्त अन्य को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।

जाँच प्रतिवेदन में आरोप संख्या-4 के संबंध में निष्कर्ष है कि अवकाश के विस्तार का आरोपित पदाधिकारी ने बार-बार आवेदन दिया किन्तु उन्हें सरकारी चिकित्सालय से चिकित्सा प्रमाण-पत्र लाकर सक्षम पाधिकारी को देकर चिकित्सा आवकाश में जाना चाहिए था, किन्तु आरोपित पदाधिकारी ने ऐसा नहीं किया। इसलिए यह आरोप अंशतः प्रमाणित होता है कि अवकाश स्वीकृत न होने के बावजूद वह अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं थे।

अतः जाँच प्रतिवेदन में अंशतः प्रमाणित आरोपों के आलोक में श्री कुमार से प्राप्त लिखित अभिकथन को अस्वीकृत किया गया।

7. समीक्षोपरान्त अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा संचालन पदाधिकारी के प्रतिवेदन से सहमत होते हुए श्री अनिमेष कुमार (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 864/11, तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ) सम्प्रति उप सचिव, पर्यटन विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध अंशतः प्रमाणित आरोपों की प्रकृति को देखते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के संगत प्रावधानों के तहत श्री कुमार के विरुद्ध 'तीन वेतनवृद्धियाँ संचयात्मक प्रभाव से रोकने' का दंड विनिश्चित किया गया है।

8. विभागीय पत्रांक 12256 दिनांक 12.09.2018 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग, पटना से श्री कुमार के विरुद्ध विनिश्चित दण्ड प्रस्ताव पर सहमति/परामर्श की मांग की गई। आयोग के पत्रांक 2876 दिनांक 28.01.2019 द्वारा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा विनिश्चित दण्ड प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की गयी।

9. अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा विनिश्चित दण्ड प्रस्ताव पर बिहार लोक सेवा आयोग से प्राप्त सहमति के आलोक में श्री अनिमेष कुमार (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 864/11, तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ) सम्प्रति उप सचिव, पर्यटन विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के संगत प्रावधानों के तहत श्री कुमार के विरुद्ध 'तीन वेतनवृद्धियाँ संचयात्मक प्रभाव से रोकने' का दण्ड दिया एवं संसूचित किया जाता है।

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधितों को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम बिशुन राय,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 706-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>